Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3192

[Total No. of Pages : 2

[4902]Ext.-111

M.A. (Part - I) (External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 1 : सामान्य स्तर

प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य

(अमीर खुसरो, जायसी, सूरदास, बिहारी और भूषण)

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) अमीर खुसरों की 'निस्बते' और 'दो सखुने' में व्यक्त 'लोकरंजकता' पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पद्मावत महाकाव्य के प्रकृति चित्रण को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) ''भ्रमरगीत एक सुंदर उपालंभ काव्य है''– सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''बिहारी ने अपने दोहों में गागर में सागर भर दिया हैं''– सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) भूषण के काव्य में मुखरित युग चेतना का सोदाहरण परिचय दीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) अमीर खुसरों के गीतों की विशेषताएँ;

ख) पद्मावती का चरित्र–चित्रण;

ग) सूर के उद्धव;

घ) बिहारी की भाषा;

च) भूषण कालीन धार्मिक परिस्थिति।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) खड़ीबोली हिंदी के विकास में अमीर खुसरो के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

ख) महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'पद्मावत' की समीक्षा कीजिए।

ग) सूर की काव्य कलापर प्रकाश डालिए।

घ) बिहारी के विरह वर्णन की विशेषताएँ लिखिए।

च) हिंदी काव्य में भूषण के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) स्याम बरन की है एक नारी।
माथे ऊपर लागै प्यारी।।
जो मानुस इस अरथ को खोले।
कुत्ते की वह बोली बोले।।

ख) चित्रा मिंत मीन घर आवा। कोकिल पीड पुकारत पावा।।
स्वाति बुँद चातिक मुख परे। सीप समुंद्र मोती लै भरे।।
सखर सॅवरि हंस चलि आए। सारस कुरू रहिं खँजन देखाए।।
भए अवगास कास बन फूले। कंत न फिरे विदेसहि भूले।।
विरह हस्त्रि तन सालैं खाइ करैं तन चूर।
बेगि आइ पिउ बाजहु, गाजहु होई सुदूर।।

ग) जनि चालो, अलि, बात पराई।
ना कोउ कहै सुनै या ब्रज में कीरति सब जाति हिंराई।।
बूझैं समाचार मुख ऊधो कुल की सब आरति बिसराई।
भले संग बसि भई, भलि मति, भले मेल पहिचान कराई।।
सुंदर कथा कटुक सी लागति उपजत उर उपदेश खराई।
उलटी नाव सूर के प्रभु को बहे जात माँगत उतराई।।

घ) बतरस–लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सौंह करैं भौंहनु हँसै, दैन कहैं नटि जाइ।।

च) ब्रह्म के आनन ते निकसे ते अत्यन्त पुनीत तिहूँ पुर मानी।
राम युधिष्ठर के बरने बलमीकिहु व्यास के संग सोहानी।।
भूषण यों कलि के कविराजन राजन के गुन पाय नसनी।
पुन्य चरित्र सिवा सरजा सर न्हाय पवित्र भई पुनि बानी।।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3193

[Total No. of Pages : 2

[4902]Ext.-112

M.A. (Part - I) (External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 2 : विशेष स्तर

आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

(उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध)

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- *सभी प्रश्न अनिवार्य।*

प्रश्न 1) 'मुंबई कांड' और 'इस जंगल' में कहानियों का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी कहानी विद्या के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) 'कालीकथा: वाया बाइपास' उपन्यास की संवेदना और शिल्प को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी उपन्यास विद्या के विकासक्रम को संक्षेप में लिखिए।

प्रश्न 3) नाटक के तत्वों के आधार पर 'अभंगगाथा' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

प्रसादपूर्व हिंदी नाटक विद्या के विकासक्रम पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) 'कलाकार का सत्य' और 'ताज' निबंधों की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

'संस्कृति है क्या?' और 'बुध्दिजीवी' निबंध में व्यक्त विचार पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''राजकुमार, मैं कृषक बालिका हूँ। आप नन्दन–बिहारी और मैं पृथ्वीपर परिश्रम करके जीने वाली। आज मेरी स्नेह की भूमि पर से मेरा अधिकार छिन गया है। मैं दु:ख से विकल हूँ, मेरा उपहास न करो।''

अथवा

''तुम जानते हो अंग्रेजों से लड़नेवाले इस नवाब की कहानी? अगर इसे इसके सेनापतियों और बड़े व्यापारियों ने धोखा नहीं दिया होता, तो आज हमें इस तरह गुलाम नहीं बनना पड़ता।''

ख) ''किसने डस लिया प्रकृति को, मटमैल किया उसकारूप? भद्दी कर दी उसकी चाल? सूखी पड़ी नदियाँ, कुएँ, बावडियाँ, खेत–खलिदान। न फल न फूल। सूखकर फटी दरारों–भरी धरती। घास का एक तिनका नहीं। सूखे का एक दैत्य रोज–रोज ले लेता दो–चार मनुष्य की जान .....''

अथवा

''आखिर वह कौन–सा नया दर्द है जो मैं अपनी रचनाओं में डालूँ? क्या वह जीवन में दो मीटर मखमल या रेशम न पाने का दु:ख हैं?''

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3194

[Total No. of Pages : 2

[4902]Ext.-113
M.A. (Part - I) (External)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 3 : विशेष स्तर
भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'साधारणीकरण' की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए करूण रस के आस्वाद की समस्या पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'औचित्य' विषयक क्षेमेंद्र के विचारों की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 2) 'अलंकार सिद्धांत' का स्वरूप स्पष्ट करते हुए रस के संदर्भ में अंलकारों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'ध्वनि सिद्धांत' का परिचय देते हुए ध्वनि और शब्द शक्तियों के सहसंबंधों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) प्लेटो के 'अनुकरण सिद्धांत' का विस्तार से परिचय दीजिए।

अथवा

'उदात्त सिद्धांत' का परिचय देते हुए पाश्चात्य साहित्यशास्त्र में लोंजाइनस के योगदान की समीक्षा कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) इलियट के 'निर्वैयक्तिकता सिद्धांत' का विवेचन कीजिए।

अथवा

'सौंदर्यशास्त्रीय' एवं 'मार्क्सवादी' आलोचना प्रणालियों का स्वरूप एवं महत्व स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) वक्रोक्ति के भेद

ख) काव्य में अलंकार का स्थान

ग) यथार्थवाद

घ) आई. ए. रिचर्डस् का योगदान।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3195

[Total No. of Pages : 8

[4902]Ext.-114

M.A. (Part - I) (External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

विशेष साहित्यकार अथवा विशेष विधा तथा अन्य

(2013 Pattern)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित में से किसी एक पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

अ) कबीर तथा तुलसीदास

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी निर्गुन काव्यधारा के विकास में कबीर का योगदान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कबीर के धार्मिक विचारों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) ''कबीर प्रधानत: उपदेशक और समाज सुधारक थे''– सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कबीर के काव्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) 'रामचरितमानस' के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सगुण भक्तिधारा में तुलसीदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

प्रश्न 4) 'विनयपत्रिका' के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'विनयपत्रिका' के कलापक्ष का तत्वत: चिन्तन कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''सतगुर की महिमा, अनँत, अनँत किया उपगार।
लोचन अनँत उघाड़िया अनँत दिखावणहार।।''

अथवा

''घट माँहे औघट तह्या, औघट माँहैं घाट।
कहि कबीर परचा भया, कछू पूरबला लेख।।''

ख) ''जाके प्रिय न राम बैदेही।
सो छाँडिये कोटि बैरि सम, जद्यपि परम सनेही।।
तज्यो पिता प्रल्हाद, विभीषण बंधु, भरत महतारी।
बलि गुरू तज्यो, कंत व्रज बनितनि, भये मुद मंगलकारी।।
नाते नेह राम के मनियत सुद्ध सुसेव्य जहाँ लौं।
अँजन कहाँ आँखि जेहि फूटै, बहुतक कहौ कहाँ लौं।
तुलसी सो सब भाँति परमहित पूज्य प्रानते प्यारो।
जासो होइ सनेह राम पद, एतो मतो हमारो।।''

अथवा

''देव, दनुज, मुनि, नाग, मनुज, सब माया बिवस बिचारे।
तिनके हाथ दास तुलसी प्रभु, कहा अपनयौ हारे।।''

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

P3195

[4902]Ext.-114
M.A. (Part - I) (External)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(2013 Pattern)
आ) हिंदी उपन्यास तथा हिंदी यात्रा साहित्य

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) औपन्यासिक तत्वों के आधार पर 'गोदान' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'चित्रलेखा' उपन्यास की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) हिंदी उपन्यास का विकासक्रम स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'परिशिष्ट' उपन्यास में चित्रित सामाजिक समस्याओं को विशद कीजिए।

प्रश्न 3) 'यात्रा साहित्य में लेखक का व्यक्तित्व प्रतिबिंबित होता है', कथन के आधार पर 'एक बूँद सहसा उछली' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

हिंदी यात्रा साहित्य का तात्विक विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) 'सूर्य मंदिरों की खोज में' के आधार पर श्यामसिंह शशि के यात्रा साहित्य की विशेषताएँ उद्घाटित कीजिए।

अथवा

हिंदी यात्रा साहित्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''अपना गाँव भी मिसिर जी एक ही रसीला है। महावीर सामी कसम इसे घरफूँक मस्ती कहते हैं। खाने को ठिकाना नहीं और पुजैया में बैंड बाजा।''

अथवा

''अच्छा, अब रहने दो। ढो तो चुके बिरादरी की लाज। बच्चों के लिए भी कुछ छोड़ोगे कि सब बिरादरी के भाड़ में झोंक दोगे? मैं तुमसे हार जाती हूँ। मेरे भाग्य में तुम्हीं जैसे बुद्धू का संग लिखा था।''

ख) ''मानव अनुभव करता है कि उसको नगण्य बना दिया गया है। नगण्यता का अनुभव ही उसका सबसे अधिक कसकनेवाला अनुभव हो गया है।''

अथवा

''इन देशों में सर्प–पूजा के साथ सूर्य की उपासना भी प्रचलित थी। इसलिए यहाँ सूर्य मंदिरों का निर्माण किया गया था।''

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

P3195

[4902]Ext.-114
M.A. (Part - I) (External)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(2013 Pattern)

इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा तथा कवि रामधारी सिंह दिनकर

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी नाट्य–साहित्य में डॉ. सुरेंद्रवर्मा का योगदान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पठित नाटकों के आधार पर डॉ. सुरेंद्र वर्मा के नाटकों की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) नाटक के तत्वों के आधार पर 'आठवाँ सर्ग' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'रति का कंगन' नाटक की प्रयोगधर्मिता का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) 'कवि दिनकर राष्ट्रीय कवि हैं। पठित रचनाओं के आधार पर कथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

'दिनकर के काव्य का भाव पक्ष जितना प्रबल है, उतना ही कला पक्ष श्रेष्ठ है।' स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) 'उर्वशी' में मनुष्य के शाश्वत मनोभावों की अभिव्यक्ति हुई है'–कथन का विवेचना कीजिए।

अथवा

'बापू' काव्य के आधार पर बापू की मनोदशा का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :-

क) ''तुला पर एक ओर पूरा देश है, देश की सारी जनता है, सम्राट और उन की सैन्यशक्ति है, पिता और उन का स्नेहबल है, शान्ति और समृध्दि है, कला और साहित्य है, सभ्यता और संस्कृति है, इतिहास और इतिहासकार है, स्थायित्व है, अमरता है.....''

अथवा

''मै आपको विश्वास दिलाती हूँ कि रात का कोई परिणाम नहीं होगा। ..... मेरे उपपति ने मुझे एक निरोधक औषधि दे दी है .... और अगली बार भी दे देगा।''

ख) तुम कुछ भी नहीं, एक हिमकण;
माना, तुम कुछ भी नहीं, मगर,
चू सकते किसी सुमन-डर पर
हलकासा कम्पन ला सकते,
मिटकर तो दर्द जगा सकते;
मरते मरते कुछ कर जाती नन्ही शबनम बेचारी भी।

अथवा

कोलाहल है, महा त्रास है,
विपद आज है भारी,
मृत्यु-विवर से निकल चतुर्दिक
तडप रहे नर-नारी।

Total No. of Questions : 5]

P3195

[4902]Ext.-114
M.A. (Part - I) (External)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(2013 Pattern)
ई) प्रयोजनमूलक हिंदी तथा हिंदी दलित साहित्य

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप स्पष्ट करते हुए हिंदी भाषा के विविध रूपों का परिचय दीजिए।

अथवा

राजभाषा हिंदी के संवैधानिक प्रावधान का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए साहित्यानुवाद के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पारिभाषिक शब्दावली का परिचय देते हुए पारिभाषिक शब्दों की प्रमुख विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) कम्प्युटर का परिचय एवं महत्व विशद कीजिए।

अथवा

हिंदी दलित साहित्य के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) 'जूठन एक दलित लेखक की दिल दहेला देनेवाली सच्ची कहानी है।' समीक्षा कीजिए।

अथवा

'जस तस भई सबेर' उपन्यास की कथावस्तू संक्षेप में लिखिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''कूटनीति एवं साम, दाम, दंड और भेद की नीति में योग्य और दक्ष होने के कारण पराजय का स्वाद उन्होंने कभी चखा ही नहीं।''

अथवा

''मैं आत्मनिर्भर बन जाने के सपने देखने लगा था। घोर गरीबी के बीच जिए दिन मैं भूल नहीं पा रहा था। तकनीकी शिक्षा पाकर जीविका के लिए दो वक्त की रोटी कमा लेने का रास्ता खुलने लगा था।''

ख) ''हाँ भाई, चमारों की इस लड़ाई ने, कम से कम, यह साबित तो कर दिया है कि ब्राह्मण देवता झूठ बोलते हैं, सरासर झूठ बोलते है और इसी झूठ को धरम बताकर, हमें ठगते हैं।''

अथवा

''मेरे मुँह का ग्रास

नोचते आह हैं मुझे

भूखे बाज की मानिन्द

अपने नुकीले पंजों से, और

उकारते आए हैं

मेरा माँस।।''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3216

[Total No. of Pages : 2

[4902]Ext.-211

S.Y. M.A. (हिंदी) (External)

प्रश्नपत्र - V : सामान्य स्तर–आधुनिक काव्य

(महाकाव्य, खंडकाव्य, विशेष कवि और नई कविता)

पाठ्यपुस्तकें – 1) कामायनी–जयशंकर प्रसाद

2) गोपा गौतम–जगदीश गुप्त

3) विशेष कवि कुँवर नारायण–संपा. डॉ. सुरेश बाबर
डॉ. नीला बोर्वणकर

4) नई कविता–संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. अलका पोतदार

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'कामायनी' में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय मिलता है– स्पष्ट कीजिए।

अथवा

श्रद्धा की चरित्रगत विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

प्रश्न 2) 'गोपा गौतम' खंडकाव्य का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'गोपा गौतम' की भाषा–शैली के सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) कुँवर नारायण की कविताओं में व्यक्त वैचारिकता का विवेचन कीजिए।

अथवा

कुँवर नारायण की कविताओं की शिल्पगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) उदय प्रकाश की कविताओं में व्यक्त भावगत संवेदनाओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कात्यायनी के काव्य की शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए–

क) ओ चिंता की पहली रेखा, अरी विश्व–वन की व्याली,
ज्वालामुखी विस्फोट के भीषण प्रथम कंप–सी मतवाली!
हे अभाव की चपल बालिके, री ललाट की खललेखा!
हरी–भरी–सी दौड़धूप ओ जल–माया की चल–रेखा!

अथवा

सोचें तो,
आप मेरे पति होकर
मेरे ही सामने
शंका–संदेह भरी
वाणी जब बोलेंगे
या उसको जाकर एकांत में
मौन से तोलेंगे
मेरा स्वाभिमान कहाँ जाएगा?

ख) लेकिन परेशान हैं इन दिनों
काले की जगह
सफेद नामक झूठ ने ले ली है
और दोनों ने मिल कर
एक बहुत बड़ी दूकान खोल ली है!

अथवा

एक है
सत्यवान की सावित्री
जिससे खो रही है नारी अपनी पहचान
ना समझे दे रही अंधश्रद्धा के कुएँ में जान
एक है
फुले नाम की दूसरी सावित्री
भारतीय नारी को जगा रही है,
अगली सदी में रोशनी की ओर ले जा रही है।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3217

[Total No. of Pages : 2

[4902]Ext.-212

M.A. (Part - II) (External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 6 (बहिस्थ) : विशेष स्तर

भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न **1)** भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

स्वर वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न **2)** अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रचना, क्रिया और अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद लिखिए।

प्रश्न **3)** मध्यकालीन प्राकृत भाषाओं का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

ब्रज और अवधी की व्याकरणिक विशेषताएँ विशद कीजिए।

प्रश्न **4)** लिपि के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी शब्द निर्माण में उपसर्ग और प्रत्यय का महत्व सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न **5)** निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए–

क) भाषा का स्वरूप

ख) रूपिम के भेद

ग) राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति

घ) खड़ीबोली की व्याकरणिक विशेषताएँ।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3218

[Total No. of Pages : 2

[4902]Ext.-213

M.A. (Part - II) (External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 7 (बहिस्थ) : विशेष स्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तथा आधुनिक काल)

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न **1)** आदिकाल के प्रारंभ के संदर्भ में विविध आचार्यों की मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी साहित्य के कालविभाजन एवं नामकरण का विवेचन कीजिए।

प्रश्न **2)** हिंदी सूफी काव्य की भाव एवं शिल्पगत विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सगुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाओं का परिचय दीजिए।

प्रश्न **3)** रीतिकालीन प्रमुख कवियों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रीतिकाल के मूलस्रोत का परिचय दीजिए।

प्रश्न **4)** हिंदी नाटक के विकास क्रम को समझाइए।

अथवा

प्रेमचंद युगीन कहानियों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न **5)** निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) रासो काव्य परंपरा

ख) कृष्णभक्त कवि और काव्य

ग) रीतिसिद्ध कवि

घ) प्रमुख निबंधकार

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3219

[Total No. of Pages : 6

[4902]Ext.-214

M.A. (Part - II) (External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र : 8 (बहिस्थ) वैकल्पिक

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना तथा अनुसंधान प्रक्रिया: स्वरूप और क्षेत्र

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी आलोचना के विकास–क्रम पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति विशद कीजिए।

प्रश्न 2) डॉ. रामविलास शर्मा के आलोचना के स्वरूप और विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

हिंदी आलोचना में डॉ. नामवर सिंह के योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) अनुसंधान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अंतर्विद्याशाखीय अनुसंधान का सामान्य परिचय दीजिए।

प्रश्न 4) भाषा और साहित्य के अध्यापन का विवेचन कीजिए।

अथवा

शोध–प्रबंध लेखन में संदर्भ उल्लेख, पाद–टिप्पणी, सहायक ग्रंथ सूची, वर्तनी सुधार का समावेश होता है। – समझाइए।

P.T.O.

प्रश्न **5)** निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) आलोचक के गुण

ख) डॉ. नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना का स्वरूप

ग) अजनबीपन

घ) साहित्यिक–साहित्येतर अनुसंधान का अंतः संबंध।

Total No. of Questions : 5]

P3219

[4902]Ext.-214

M.A. (Part - II) (External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र : 8 – विशेषस्तर–वैकल्पिक

(आ) अनुवाद विज्ञान तथा जनसंचार माध्यम और हिंदी

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न **1)** अनुवाद का स्वरूप एवं महत्व विशद कीजिए।

अथवा

अनुवाद की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न **2)** विधा के आधार पर अनुवाद के प्रकार स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनुवाद की समस्याओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न **3)** इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता का परिचय दीजिए।

अथवा

पत्रकारिता के संदर्भ में सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार के महत्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न **4)** प्रिंट मीडिया का स्वरूप और महत्व विशद कीजिए।

अथवा

पत्रकारिता के सामाजिक दायित्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) अनुवाद समीक्षा की आवश्यकता

ख) अनुवाद कार्य में सहायक साधन

ग) साक्षात्कार

घ) हिंदी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका

Total No. of Questions : 5]

P3219

[4902]Ext.-214

M.A. (Part - II) (External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र : 8 - विशेषस्तर–वैकल्पिक

(इ) लोकसाहित्य तथा भारतीय साहित्य

(2013 Pattern)

भारतीय साहित्य : पाठ्यपुस्तकें – 1) बारोमास–सदानंद देशमुख
अनु.– डॉ. दोमोदर खडसे
2) नागमंडल–गिरीश कर्नाड
अनु.– बी. आर. नारायण
3) खानाबदोश– अजित कौर
अनु.– के. ए. जमुना

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न **1)** लोकसाहित्य की परिभाषा देते हुए लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य का अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

लोककथा के उत्पत्तिविषयक सिद्धांत लिखिए।

प्रश्न **2)** लोकगीत का स्वरूप स्पष्ट करते हुए सावन–गीतों का परिचय दीजिए।

अथवा

महाराष्ट्र की लोकनाट्य परंपरा का विवेचन करते हुए तमाशा और भारूड पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न **3)** 'बारोमास' में आज के भारत का प्रतिबिंब मिलता हैं– स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'खानाबदोश' में चित्रित नारी–समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न **4)** हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'नागमंडल' की मंचीय विशेषताएँ प्रतिपादित कीजिए।

प्रश्न **5)** निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) लोकसाहित्य और इतिहास

ख) पहेलियाँ, गुकरियाँ

ग) नागमंडल में मिथकीय चेतना

घ) भारतीयता और समाजशास्त्र।